

7/10/24

पत्रावली पेश हुई। कुलाम अधिक उपस्थित।
पत्रावली पूर्व में श्रीवराज जोहरा नाम
प्रतापसिंह के नाम लम्बे लिख दी गयी थी।
श्रीवराज जोहरा नाम प्रतापसिंह पत्रावली
मिथित हो चुकी है। उक्त पत्रावली के विषय
को ध्यान रख पत्रावली के साक्षि पत्रावली
वर पत्रावली फैसल की जाती है पत्रा
वैसल सुमार होकर साक्षि पत्रावली